गुजरात को स्टीम कोयले की आपूर्ति

5263. **श्री अनन्तराव देवीदासराव देशमुख** : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात में उद्योगों के लिए कितनी मात्रा में स्टीम कोयले का आबंटन किया गया है और 1994-95 के दौरान राज्य में कोयले की कुल मांग कितनी है;

(ख) क्या गुजरात में उद्योगों के लिए मांग के अनुसार उसी अवधि के दौरान स्टीम कोयले की आपूर्ति कर दी गयी थी; और

(ग) यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं और इस संबंध में क्या कदम उठाए जाएंगे ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) से (ग) कोयले की आवश्यकताओं का मूल्यांकन राज्य-वार नहीं किया जाता है । इसका मूल्यांकन पूरे देश के लिए उद्योग/क्षेत्र-वार किया जाता है । गुजरात में औद्योगिक उपभोक्ताओं को स्टीम कोयले की आपूर्ति अधिकांशत: रेल द्वारा साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि. से की जाती है, जोकि तत्सम्बद्ध प्रायोजन प्राधिकारियों द्वारा प्रायोजन पर आधारित है । वर्ष 1993-94 के दौरान कं. को. लि. से गुजरात को आपूर्ति किए गए स्टीम कोयले की मात्रा 2.16 लाख टन (अनंतिम) थी, जबकि कार्यक्रम 2.68 लाख टन का था । इसी प्रकार वर्ष 1993-94 के दौरान साइंकोल को प्राप्त किए गए 9.71 लाख टन के आपूर्ति किए जाने के कार्यक्रम की तुलना में इस कम्पनी से 7.27 लाख टन (अनंतिम) की आपूर्ति की गई ।

कोल इंडिया लि. द्वारा दी गई सूचना के अनुसार आपूर्ति को और अधिक किया जा सकता था लेकिन उपभोक्ताओं के द्वारा रेल कार्यक्रमों की रद्द/निलम्बन किए जाने से ऐसा नहीं किया जा सका ।

गुजरात की वर्ष 1994-95 की स्टीम कोयले की आवश्यकताओं को यथासंभव सीमा तक पूरा किया जाएगा । राज्य को स्टीम कोयले की वास्तविक आपूर्ति स्टीम कोयले एवं रेलवे वैगन दोनों की उपलब्धता पर निर्भर करती है । गुजरात के अधिकांश उपभोक्ता सा. ई. को. लि. की कोरिया-रेवा कोल-फील्ड्स कोयले को प्राथमिकता देते हैं जहां से कि कोयले का प्रेषण में वृद्धि विभिन्न व्यवधानों के कारण नहीं की जा सकती है, जिसमें परिवहन संबंधी व्यवधान भी शामिल है । यदि उपभोक्ता वैकल्पिक स्रोत से कोयले के प्रेषण को तरजीह दें तो उनके प्रेषण में वृद्धि की जा सकती है । कुछ कोलियरियों को उदारीकृत बिक्री योजना के तहत रखा गया है जहां से कि औद्योगिक उपभोक्ता बिना किसी प्रायोजन के अपनी आवश्यकताओं की आपूर्ति प्राप्त कर सकते हैं ।

ललमतिया राजमहल परियोजना के कारण विस्थापित हुए लोगों का पुनर्वास

5264. **श्री जनार्दन यादव** : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ललमतिया राजमहल परियोजना के कारण लगभग एक हजार लोग विस्थापित हो गए हैं;

(ख) क्या इन विस्थापित लोगों की पुन: बसाने के लिए सरकार की कोई योजना है; और

(ग) इन विस्थापित लोगों को फिर से कब तक बसाए जाने की संभावना है ?